☎ : 06587-238139 (O)

JAWAHAR LAL NEHRU COLLEGE, CHAKRADHARPUR

(A Post Graduate Constituent Unit of Kolhan University, Chaibasa)

(Website: www.jlncollege.org.in) (Email: jlncollege.org@gmail.com)

3.3.2 Number of books and chapters in edited volumes/books published and papers published in national/ international conference proceedings per teacher.

Sl. No.	Name of the teacher	Title of the book/chapters published	Title of the paper	Title of the proceedings of the conference	Name of the conference	National / International	Year of publication	ISBN number of the proceeding	Affiliating Institute at the time of publication	Name of the publisher	Page no.
					2022 – 2023						
1	Aditya Kumar	Mahtma Gandhi ka naitik chintan	NA	NA	NA	National	2022	978-81-959162-0-7	J.L.N. College,Chakradharpur. A Constituent Unit of Kolhan Univerity,Chaibasa,Jharkhand	Kishor Vidya Niketan, Ghaziabad, UP, Delhi, NCR	4 - 9
2	Nisha Kongari	Gandhi aur swatantrata evam loktantra ki awdharana	NA	NA	NA	National	2022	978-81-959162-0-7	J.L.N. College,Chakradharpur. A Constituent Unit of Kolhan Univerity,Chaibasa,Jharkhand	Kishor Vidya Niketan, Ghaziabad, UP, Delhi, NCR	10 - 14
3	Nisha Kongari	Rashtriya ekikaran me bhavnatmak pahalu ki bhumika	NA	NA	NA	National	2023	978-81-19281-07-7	J.L.N. College,Chakradharpur. A Constituent Unit of Kolhan Univerity,Chaibasa,Jharkhand	Shashwat Publication	15 - 17

2021 – 2022											
4	Dr. Sriniwas Kumar	Samkalin Kahaniya: Yuva Man Aur Samasyayein (Book)	NA	NA	NA	National	2021	978-81-953062-3	J.L.N. College,Chakradharpur. A Constituent Unit of Kolhan Univerity,Chaibasa,Jharkhand	K.L.Pachori Prakashan,Gaziabad,201102	
2020 – 2021											
NA	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	
2019 – 2020											
5	Dr. Parshuram Sial	China's New Silk Route Diplomacy: A Geo-strategic Challenge to India	NA	NA	NA	International	2019	9789383131860	J.L.N. College,Chakradharpur. A Constituent Unit of Kolhan Univerity,Chaibasa,Jharkhand	Mark Books,New Delhi	24 - 25
2018 – 2019											
6	Dr. Parshuram Sial	India-Pakistan Economic Corridor	NA	NA	NA	International	2019	978-93-85754-17-2	J.L.N. College,Chakradharpur. A Constituent Unit of Kolhan Univerity,Chaibasa,Jharkhand	Indu Book Services	
7	Dr. Parshuram Sial	Indian democracy at 70: Challenges ahead (Book)	NA	NA	NA	International	2019	9383131861	J.L.N. College,Chakradharpur. A Constituent Unit of Kolhan Univerity,Chaibasa,Jharkhand	Mark Books,New Delhi	22 - 26

2018 – 2019											
8	Dr. Parshuram Sial	China-Pakistan Economic Corridor: Implications on India	NA	NA	NA	International	2018	978-93-85754-17-2	J.L.N. College,Chakradharpur. A Constituent Unit of Kolhan Univerity,Chaibasa,Jharkhand	Indu Book Services	18 - 21
9	Aditya Kumar	Significance of Yama and Niyama in Yoga philosophy	NA	NA	NA	National	2019	978-93-85310-18-8	J.L.N. College,Chakradharpur. A Constituent Unit of Kolhan Univerity,Chaibasa,Jharkhand	Gigabytes press and publication, Assam	27 - 32

आज़ादी का अमृत महोत्सव

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

गाँधी दर्शन, शिक्षा एवं संस्कृति

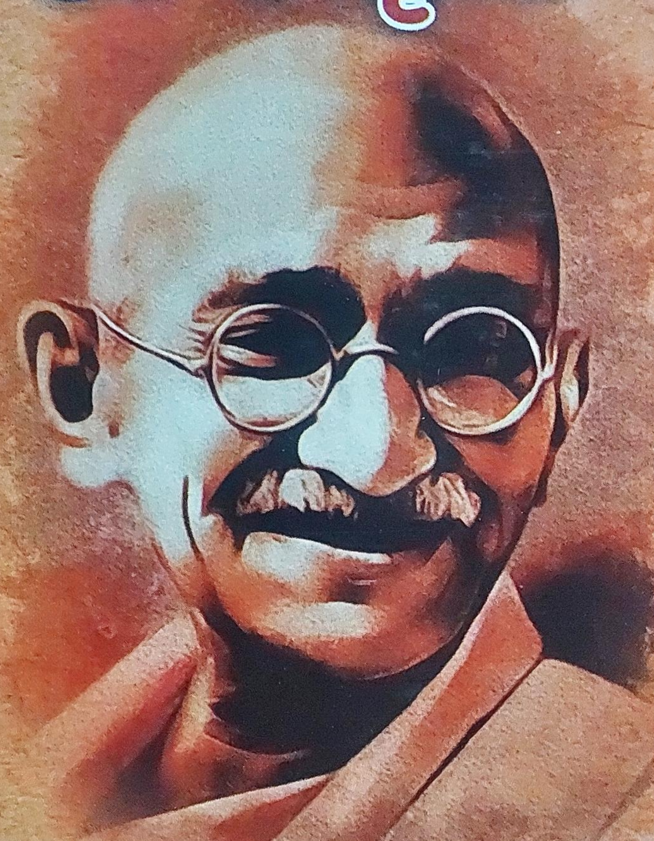

प्रधान संपादक

डॉ0 दीपंजय श्रीवास्तव

अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग

निदेशक, योग और प्राकृतिक चिकित्सा विभाग

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड

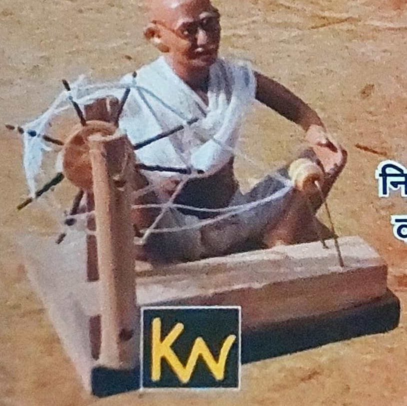

* प्रकाशित रचनाओं में निहित विचार लेखकों के स्वयं हैं, जिनका प्रधान संपादक या संपादक मंडल से कोई संबंध नहीं है।
* साहित्यिक चौर्य (plagiarism) के किसी भी दावे की स्थिति में पूरी जबाबदेही पुस्तक में शामिल किये गये आलेख के लेखक की होगी।
* किसी भी विवाद के निपटारे का न्यायिक क्षेत्र जमशेदपुर होगा।

प्रधान संपादक : डॉ० दीपंजय श्रीवास्तव

प्रथम संस्करण : 2022 **ई०**

ISBN : **978-81-959162-0-7**

मूल्य : ₹ 750

© **कोल्हाल विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड**

प्रकाशक :

Kishor Vidya Niketan

B-1301, Amarpali Green, Indirapuram,
Ghaziabad, U.P., Delhi/NCR 201014
email: kvnpublisher@gmail.com

मुद्रक

sjro
services & suppliers
B-1301, Amarpali Green, Indirapuram,
Ghaziabad, U.P., Delhi/NCR 201014

विषय-सूची

1.	गाँधी एवं अम्बेडकर के चिन्तन में वर्ण व्यवस्था : एक तुलनात्मक विवेचन	डॉ. द्वारका नाथ	1
2.	समत्त्व योग तथा गाँधी दर्शन	डॉ. काकोली बसाक	13
3.	Depiction of Gandhian Thought in ODIA Literature : with Special Reference to Poet Guru Prasad Mohanty	Dr. Harihar Padhan	26
4.	Gandhi and Spirituality	Dr. Manoj Kumar Mohapatra	30
5.	बाजारवाद के दौर में गाँधी की प्रासंगिकता	सुभाषचन्द्र गुप्त	34
6.	महात्मा गाँधी का राज्य संबंधी विचार	डॉ0 ज्योति कुमारी	42
7.	महात्मा गाँधी जी का विचार : दार्शनिक परिप्रेक्ष्य में	डॉ0 लक्ष्मी झा	47
8.	मूल्य संकट का वर्तमान परिप्रेक्ष्य और गाँधी की चेतन दृष्टि	डॉ. धर्मजंग	51
9.	गाँधी जी का सत्याग्रह : एक विमर्श	डॉ0 मनोज कुमार तिवारी	57
10.	महात्मा गाँधी (1869–1948) : एक पत्रकार के रूप में	डॉ0 इन्द्रसेन सिंह	72
11.	महात्मा गाँधी की दृष्टि में वर्ण व्यवस्था	डॉ0 आभा झा	77
12.	साध्य-साधन संबंधी विचार : गाँधी के संदर्भ में	अमृता कुमारी	85
13.	महात्मा गाँधी का ईश्वर–दर्शन	डॉ0 ममता गुप्ता	92
14.	महात्मा गाँधी का समाज दर्शन	डॉ0 फौजिया परवीन	99
15.	महात्मा गाँधी का धर्म–दर्शन	डॉ0 राम सुभग सिंह	108
16.	महात्मा गाँधी का शिक्षा–दर्शन एवं व्यक्तित्व विकास	डॉ0 अशोक कुमार सिंह	115
17.	महात्मा गाँधी का जगत–विचार	डॉ0 पंकज श्रीवास्तव	122
18.	वर्तमान संदर्भ में गाँधी शिक्षा दर्शन की उपादेयता	डॉ0 राज कुमार चौबे	125

19. मनोवैज्ञानिक मूल्य और महात्मा गाँधी	डॉ0 अंशु श्रीवास्तव	131
20. महात्मा गाँधी के राजनीतिक विचार	प्रो0 विनय कुमार गुप्ता	136
21. Satyagrah and Modern World	Dr. Sumita Tiwari	145
22. महात्मा गाँधी का शिक्षा दर्शन	डॉ0 सविता मिश्रा	149
23. महात्मा गाँधी के सत्य की अवधारणा का दार्शनिक अवलोकन	डॉ0 पास्कल बेक	152
24. महात्मा गाँधी जी का नैतिक दर्शन	डॉ0 अर्चना सिन्हा	157
25. सत्याग्रह की अवधारणा	डॉ0 आशुतोष त्रिपाठी	163
26. महात्मा गाँधी के नैतिक दर्शन में एकादश व्रत	दीपिका कुमारी	171
27. महात्मा गाँधी : धर्म की अवधारणा	डॉ0 अर्चना कुमारी गुप्ता	176
28. गाँधी एवं इस्लाम दर्शन में नैतिक विचार की अवधारणा	डॉ. अशरफ बिहारी	182
29. हिन्दी साहित्य और महात्मा गाँधी	डॉ. कनक लता रिद्धि	186
30. गाँधी एवं गाँधीवाद	डॉ0 ललिता भगत	192
31. Gandhiji's Perception of Women Empowerment	Swapna Aush	196
32. महात्मा गाँधी के 'स्वदेशी' अवधारणा के अनुसार खादी का विकास एवं कार्य	डॉ0 बिनीता कच्छप	204
33. सत्य ही ईश्वर है	डॉ0 बिनीता उरांव	209
34. गाँधीवादी नैतिक दर्शन और वर्त्तमान विश्व में उसके उपादेयता	डॉ0 अदिती विश्वास	217
35. गाँधी जी की अहिंसा की अवधारणा	डॉ0 एलविन बखला	224
36. गाँधीवादी शिक्षा का उत्कृष्ट समाज निर्माण में महत्त्व	डॉ0 आंकाक्षा	231
37. महात्मा गाँधी एवं शंकराचार्य का आध्यात्मिक दर्शन : एक अवलोकन	रसीदा खातुन	236
38. गाँधी दर्शन की प्रासंगिकता में सत्याग्रह	डॉ. कंचन सिन्हा	242
39. महात्मा गाँधी की पत्रकारिता : सत्य, निडर, विद्रोही शब्द	डॉ0 ईशान त्रिपाठी	247
40. गाँधी जी के सत्य, ईश्वर और सत्याग्रह	बेहुला सरदार	253
41. गाँधी और अहिंसा की अवधारणा	डॉ0 ललिता	259

42. वर्तमान परिदृश्य में गाँधी एवं पंचायती राज व्यवस्था : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन — श्वेता श्रीवास्तव — 265
43. महात्मा गाँधी का नैतिक दर्शन — डॉ० बिनोद कुमार सिंह — 270
44. नारी की समस्यायें और गाँधी दर्शन — डॉ सोनी सिन्हा — 275
45. महात्मा गाँधी का नैतिक चिंतन — आदित्य कुमार — 281
46. गाँधी और स्वतंत्रता एवं लोकतंत्र की अवधारणा — निशा कोनगाड़ी — 291
47. स्त्री-पुरुष समानता के संदर्भ में गाँधी जी की विचारधारा — अखौरी मनीषा सिन्हा — 295
48. Political Thought of M. K. Gandhi — Pabitra Kumar Bhunia — 300

महात्मा गाँधी का नैतिक चिंतन

आदित्य कुमार*

गाँधी जी ने भारतीय आध्यात्मिक चिंतन को अपने जीवन एवं दर्शन का केन्द्र बिन्दु माना है। उन्होंने आदर्श को जीवन, समाज एवं राजनीति में प्रयुक्त किया इसलिए उनके विचार को व्यावहारिक आदर्शवाद कहा गया है। वे एक धार्मिक मानवतावादी कर्मयोगी व्यक्ति थे, जो अपनी अंतरात्मा की आवाज पर आगे बढ़ते थे। उनका आचार–विचार व्यवहार सभी नैतिकता पर आधारित था। राजनैतिक क्षेत्र में भी उन्होंने आध्यात्म और नैतिकता के समन्वित रूप को अपनाया।

गाँधी जी के अनुसार नैतिकता का मार्ग बताता है कि दुनिया कैसी होनी चाहिए तथा मनुष्य को किस तरह आचरण करना चाहिए। नैतिकता, अपने व्यापक अर्थ में, जिम्मेदारी और दायित्व से संबंधित है। गाँधी जी मानते हैं कि नीति और धर्म घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित हैं। धर्म में नैतिकता निहित है। धर्म विहीन नैतिकता का पालन नहीं हो सकता। यदि नीति को धर्म से विलग कर दिया जाय तो धर्म रूपी महल ढह जाएगा। नैतिकता धर्म का मूल है। बिना नीति के धर्म लँगड़ा है।

गाँधी जी के अनुसार शुभ क्रियाएँ वैसी क्रियाऐं हैं जिनमें परहित के कार्य होते हैं। जहाँ हम अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर दूसरों का शुभ करते हैं। इच्छा दो प्रकार की होती है पहला निज स्वार्थ साधने की, ऐसी इच्छा को पूरा करने के प्रयत्न का नाम अनीति है। दूसरी प्रकार की इच्छा भला होने और दूसरों का भला करने की होती है। ऐसी इच्छाओं को पूरा करने के लिए जो आचरण किया जाए उसको सच्ची नीति कहते हैं। लाभ के उद्देश्य से तथा डर कर किया हुआ काम नीतियुक्त नहीं होता है। परलोक में लाभ मिलने की आशा में किया हुआ काम तथा डर कर भले काम करना भी नीति रहित आचरण है। परम्परा या रीति रिवाज के आधार पर कोई कार्य करना नैतिकता नहीं है। भलाई भलाई के लिए करनी चाहिए। गाँधी जी के अनुसार जो शुभ है, वह सद्गुण है, नैतिक है तथा हर प्रकार का दुर्गुण अनैतिक है। शुभ क्रियाओं का पालन नैतिकता है। नैतिक आचरण

*सहायक आचार्य, दर्शनशास्त्र विभाग, जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय, चक्रधरपुर, कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा।

ESTD. 1998

Government of India R.N.I. No.BIH / 4625/ 2000 Delhi ISSN : 0973-0583

IDEAL RESEARCH REVIEW

A Peer Reviewed Multidisciplinary Journal

Impact Factor : 8.61

Special Issue

Volume 75 **No. II** **September 2023**

National Seminar on Tribal Philosophy, Culture and Tradition 12-14 on May 2023

Organised by:

University Department of Philosophy, Kolhan University, Chaibasa (Jharkhand)

BUDDHA MISSION OF INDIA

IDEAL RESEARCH REVIEW

Vol. 75, No. II

CONTENTS

SEPTEMBER 2023

22. मैथिली-संताली संस्कार गीतों में समता मूलक और प्रगतिशील भाव	डॉ० अशोक कुमार झा	96
23. नेपाल के मौलिक दार्शनिक	डॉ० गोविन्दशरण उपाध्याय	99
24. आदिवासी कला संस्कृति एवं विधिक अधिकार	संजीव कुमार विरूली	105
25. आदिवासियों की पारंपरिक ग्राम स्वशासन पद्धति एवं उनकी आर्थिक स्थिति कोल्हान के संदर्भ में	डॉ० गौरव श्रीवास्तव	110
26. आदिवासी महिलाओं के एतिहासिक पारंम्परिक गहनें	डॉ० पंकज श्रीवास्तव	114
27. जनजातीय समाज पर औद्योगीकरण एवं वैश्वीकरण का प्रभाव: एक अवलोकन	निशा कोनगाड़ी	118
28. वंदना टेटे के लेखन में साहित्य, समाज और सांस्कृतिक दृष्टि	राजीव रंजन राकेश	120
29. आदिवासी समाज, संस्कृति एवं साहित्य-दर्शन का समीक्षात्मक अध्ययन	डॉ० रिज़वाना परवीन	124
30. आदिवासी भाषा एवं साहित्य	डॉ० सोनी सिन्हा	129
31. आदिवासी सांस्कृतिक दर्शन के संदर्भ में	नाज़ परवीन	131

❖❖❖

आजादी का अमृत महोत्सव

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

गाँधी दर्शन, शिक्षा एवं संस्कृति

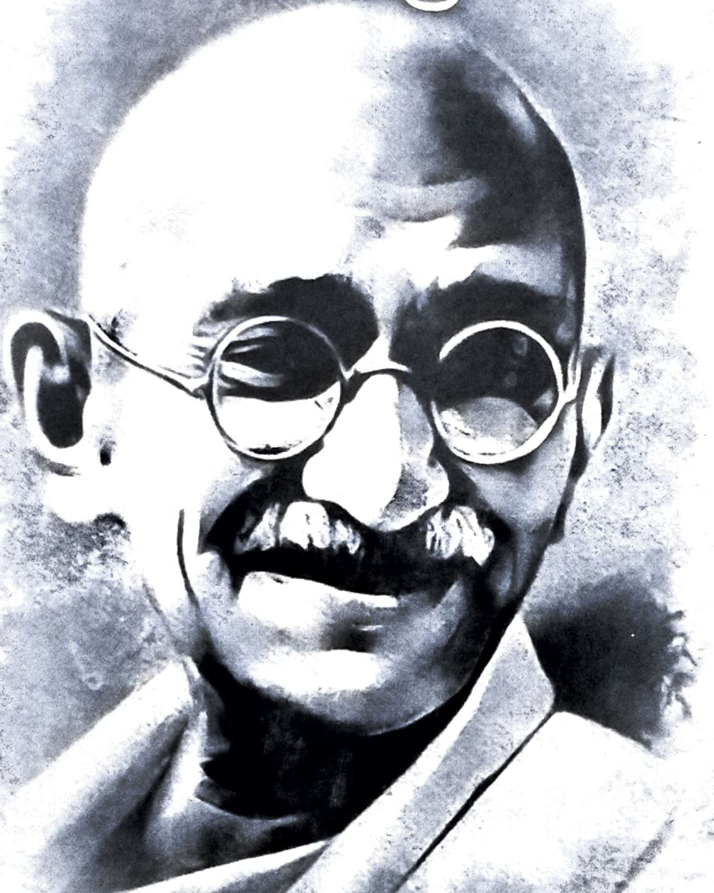

प्रधान संपादक

डॉ0 दीपंजय श्रीवास्तव

अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग

निदेशक, योग और प्राकृतिक चिकित्सा विभाग

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड

* प्रकाशित रचनाओं में निहित विचार लेखकों के स्वयं हैं, जिनका प्रधान संपादक या संपादक मंडल से कोई संबंध नहीं है।
* साहित्यिक चौर्य (plagiarism) के किसी भी दावे की स्थिति में पूरी जबाबदेही पुस्तक में शामिल किये गये आलेख के लेखक की होगी।
* किसी भी विवाद के निपटारे का न्यायिक क्षेत्र जमशेदपुर होगा।

प्रधान संपादक : डॉ० दीपंजय श्रीवास्तव

प्रथम संस्करण : 2022 **ई०**

ISBN : **978-81-959162-0-7**

मूल्य : ₹ 750

© **कोल्हाल विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड**

प्रकाशक :

Kishor Vidya Niketan

B-1301, Amarpali Green, Indirapuram,
Ghaziabad, U.P., Delhi/NCR 201014
email: kvnpublisher@gmail.com

मुद्रक

sjro
services & suppliers
B-1301, Amarpali Green, Indirapuram,
Ghaziabad, U.P., Delhi/NCR 201014

42. वर्तमान परिदृश्य में गाँधी एवं पंचायती राज व्यवस्था : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	श्वेता श्रीवास्तव	265
43. महात्मा गाँधी का नैतिक दर्शन	डॉ0 बिनोद कुमार सिंह	270
44. नारी की समस्यायें और गाँधी दर्शन	डॉ सोनी सिन्हा	275
45. महात्मा गाँधी का नैतिक चिंतन	आदित्य कुमार	281
46. गाँधी और स्वतंत्रता एवं लोकतंत्र की अवधारणा	निशा कोनगाड़ी	291
47. स्त्री-पुरुष समानता के संदर्भ में गाँधी जी की विचारधारा	अखौरी मनीषा सिन्हा	295
48. Political Thought of M. K. Gandhi	Pabitra Kumar Bhunia	300

भावनात्मकता को सुदृढ़ करती शिक्षा

मुख्य सम्पादक
प्रो. (डॉ.) मुदिता चन्द्रा

सम्पादक
श्री भवेश कुमार

लेखक व प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को पूरी तरह अथवा आंशिक तौर पर या पुस्तक के किसी भी अंश की फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग अथवा इलेक्ट्रॉनिक एवं ज्ञान के किसी भी माध्यम से संग्रह व पुनः प्रयोग की किसी भी प्रणाली द्वारा इस पुस्तक का कोई भी अंश प्रेषित, प्रस्तुत अथवा पुनरुत्पादित न किया जाए। प्रस्तुत पुस्तक में लेखकों के अपने विचार हैं, जिनसे प्रकाशक की सहमति अनिवार्य नहीं है।

ISBN : 978-81-19281-07-7

© सम्पादन मंडल

मूल्य : 800.00 रुपये

प्रथम संस्करण : 2023

कवर सज्जा : श्री मेघनाथ महतो

शब्द संयोजक : मो. इश्तीयाक, जमशेदपुर

Published by : SHASHWAT PUBLICATION

अनुक्रमणिका

1. भावनात्मक विकास में भक्ति कालीन् साहित्य की भूमिका
– डॉ. जया द्विवेदी : 30–35

2. विद्यार्थियों के भावनात्मक विकास में अर्थशास्त्र की भूमिका
– पामेला घोष दत्ता : 36–42

3. बहुकार्यण के दौर में सफलता का सूत्र : भावनात्मक परिपक्वता
– शिखा शर्मा : 43–46

4. भावनात्मक विकास में आध्यात्मिक शिक्षा की भूमिका
– डॉ० अभिराम द्विवेदी : 47–51

5. भावनात्मक विकास में सामाजिक शिक्षा की भूमिका : एक आलोचनात्मक विश्लेषण
– माधुरी कुमारी : 52–55

6. राष्ट्रीय एकीकरण में भावनात्मक पहलू की भूमिका : एक अनुशीलन
– निशा कोनगाड़ी : 56–60

7. भावनात्मक विकास में सामाजिक शिक्षा की भूमिका
– श्वेता कुमारी : 61–67

8. भावनात्मक विकास में झारखण्ड के हिन्दी कथा–साहित्य में महिला लेखिकाओं की भूमिका
– डॉ. सुप्रभा टुटी : 68–74

9. भावनात्मकता की जननी लघुकथाएँ
– सुनिता गुड़िया : 75–80

10. भावनात्मक विकास में साहित्य की भूमिका
– डॉ. अर्पित सुमन टोप्पो : 81–87

11. भावनात्मक विकास में सामाजिक शिक्षा की भूमिका (हो' ओपोनोपोनो के विशेष संदर्भ में)
– डॉ. नम्रता गौरव : 88–93

12. भावनात्मकता को समृद्ध करती भोजपुरी लोकगीत
– डॉ. पुष्पा कुमारी : 94–100

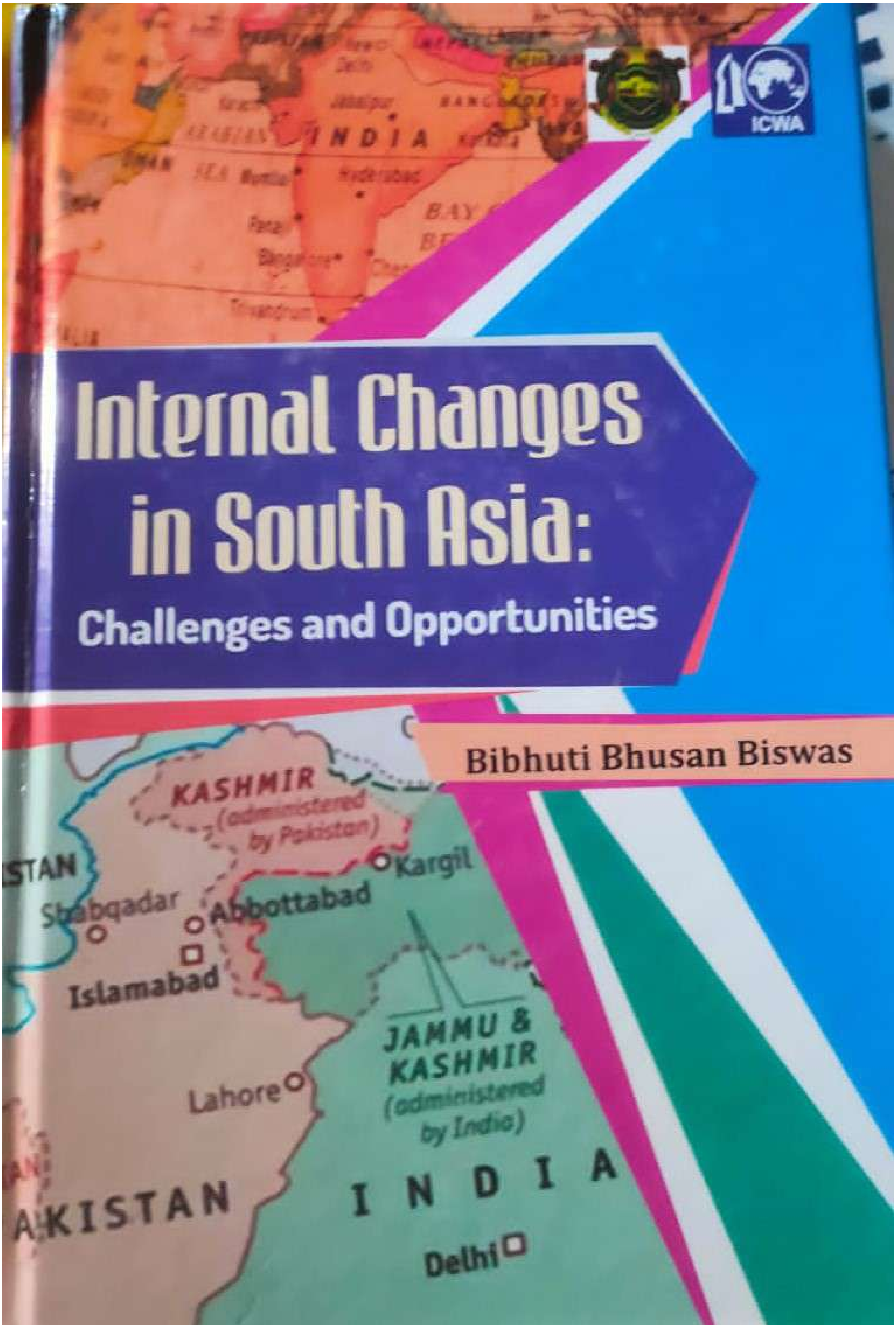
ICWA
INDIA
Internal Changes in South Asia:
Challenges and Opportunities
Bibhuti Bhusan Biswas
KASHMIR
(administered by Pakistan)
Kargil
Shabqadar
Abbottabad
Islamabad
JAMMU & KASHMIR
(administered by India)
Lahore
INDIA
Delhi

Internal Changes in South Asia: Challenges and Opport
Bibhuti Bhusan Biswas

Copyright © Publisher

First Published: 2018

ISBN: 978-93-86754-17-2

Disclaimer: The views expressed in the book are
or Editor/s and not necessarily of the publisher. A
responsible for any kind of Plagiarism found in the
issues.

All rights reserved. No part of this publication ma
in a retrieval system or transmitted, by any mean
photocopying, recording, without permission. An
unauthorised act in relation to this publication m
prosecution and civil claims for damages

9. *Indo-Bangladesh Relations: Challenges and Opportunities in the Backdrop of Contemporary Geopolitics of the Region* 95
Alok Kumar Gupta

10. *Modi's Policy towards Bangladesh: An Analysis* 109
Bibhuti Bhusan Biswas

11. *Experimenting with Democratic Governance: Critical Reflections on India and Bangladesh* 123
Kaberi Chakrabarti

12. *Bangladesh and the Migration Problem in Assam* 129
Hasnahana Handique

13. *Radical Islamism in the Federally Administered Tribal Areas (FATA) of Pakistan: Analysing Tehreek-e-Taliban Pakistan (TTP)* 143
Ambreen Gul

14. *China-Pakistan Economic Corridor: Implication on India* 159
Parshuram Sial

15. *Rebuilding Old Linkages of India and Nepal* 181
Reena Bharti

16. *The Geo-Political Importance of Nepal in South Asia: An Indo-Centric Perspective* 195
Chandrakant Kumar Singh

17. *Peace Process and Issues of Citizenship in Post Civil War Sri Lanka* 201
Khalid Ansari

18. *India-Sri Lanka: Re-energizing Relationship* 215
Neha Kumari Murai

19. *Afghanistan: Prisoners of Past or Pioneers of a New Destiny* 227
Saumya Maniny Sinha

20. *Climate Change and Threat Perceptions of Small Islands' Security: A Case Study of Maldives* 235
Alok Kumar Gupta & Vandana Mishra

21. *Northeast and Act East: An Overview* 249
Nandini Basistha

22. *The Trajectory of Russia's South Asia Policy: Emerging Scenario* 259
Raj Kumar Kothari

...Asia is now being viewed with more interest in the world as India has become a strong ...nal economic and political power. In South Asia, India's profile has rapidly increased ...ow India is being considered as an important country in shaping the power equilibrium ...n Asia-Pacific. Over last three years NDA-2 government has taken many initiatives to ...ent India's foreign policy. One such initiative has been government's efforts to improve ...ons with India's neighbours. However, the security architecture in South Asia is ...ing and in this prevailing scenario, India has the golden opportunity to maximize its ...al interests with her neighbours in particular and with the world in general. The sudden ...China in the region and its divergence of interests with India and many other important ...ies within the region have further complicated the state of affairs. China's increased ...t in the region and its aggressive policy has mounted enormous pressure on New Delhi ...erefore, India needs to reformulate its policies to cope up with the emerging situation ...egion.

...T THE EDITOR

Dr. Bibhuti Bhusan Biswas is an Assistant Professor, Centre for International Relations, Central University of Jharkhand, Brambe, Ranchi, Jharkhand, India. Dr. Biswas got his Ph.D from Department of Politics & International Studies, School of Social Sciences & International Studies, Pondicherry (Central) University, Puducherry. Before joining Central University of Jharkhand he has worked in many reputed institutions in various capacities such as, Assistant Professor in Department of Geopolitics ...rnational Relations, Manipal University, Karnataka; worked as a Post-Doctoral ...Associate at Centre for Southern Asia Studies, Pondicherry University; and also ...as Project Fellow, Rajiv Gandhi Chair and Contemporary Studies, Allahabad ...y, Allahabad. Dr. Biswas has co-edited a book on Modi's Cultural Diplomacy and ...er: Issues and Challenges (New Delhi: Ansh Book International, 2016). He has ...ed numerous research papers and articles to edited volumes, prestigious national ...ational journals. He has specialized in the field of Bangladesh foreign policy.

₹ 1495

ISBN: 978-93-85754-17-2

9 789386 754172

...BOOK SERVICES
...and Distributors)
...or, 21 Ansari Road Daryaganj,
... 110002, Ph. No. 011-43584152,
...9873655211, 9718575553
...ook@gmail.com, indubook@ymail.com
...www.indubookservices.com

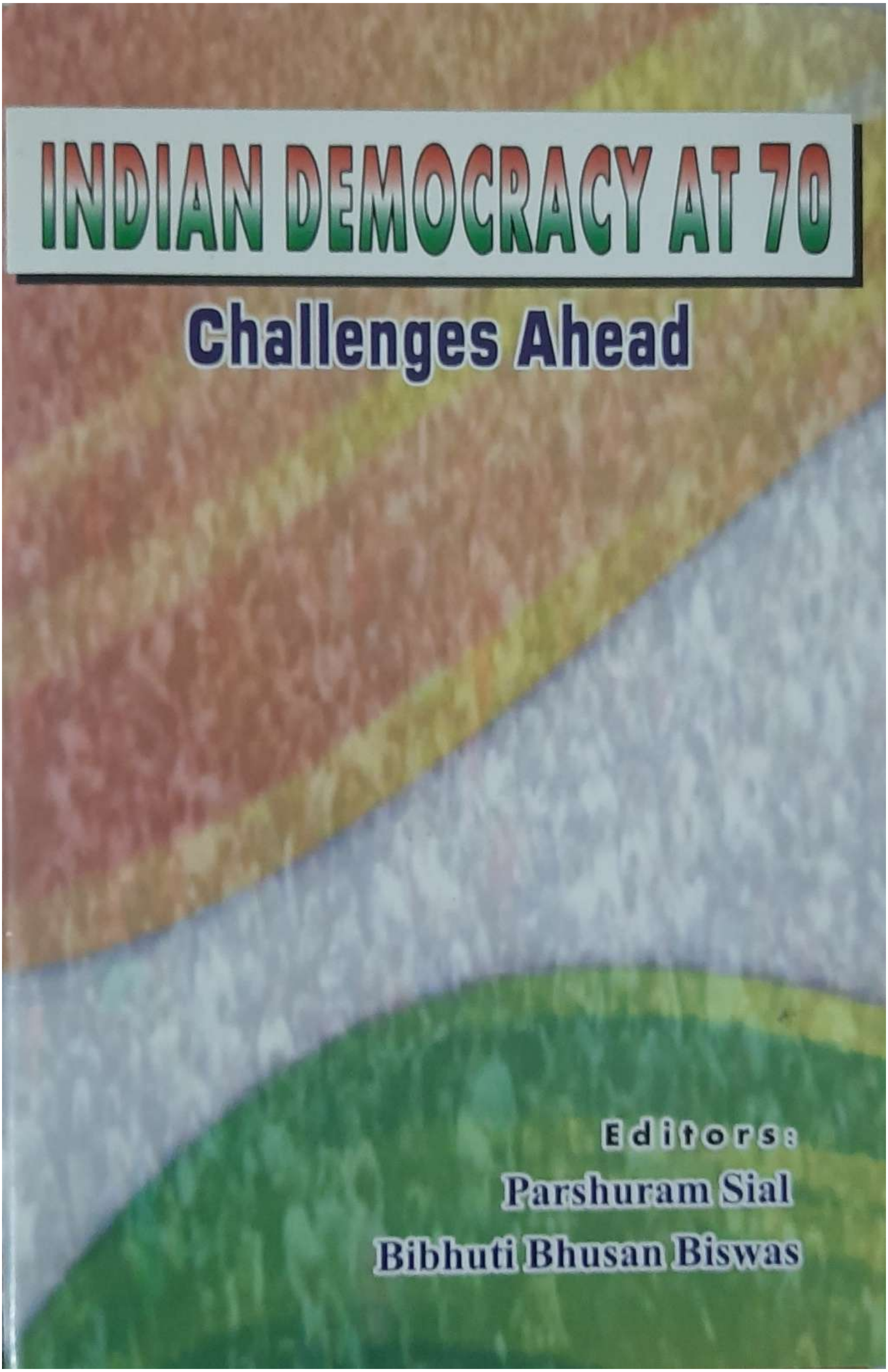
INDIAN DEMOCRACY AT 70
Challenges Ahead
Editors:
Parshuram Sial
Bibhuti Bhusan Biswas

INDIAN DEMOCRACY AT 70

Challenges Ahead

Editor (s)

Parshuram Sial

Bibhuti Bhusan Biswas

Mark

MARK BOOKS

Delhi - 110 059 (India)

17. Regional Geo-Politics and Bilateral Relations: In Terms of Indo-Nepal Relationship 305
Ratnesh Kumar Yadav

18. Inclusive Indian Democracy through Good Governance 317
Rukmini Bhattacharjee

19. Women in Urban Political System of India: A Study on Bhubaneswar City Governance 332
Saradakanta Mishra

20. Women Empowerment: Truth of Half Population 350
Akhori Manisha Sinha & Veena Singh Priyadarshi

21. Caste Identity Politics in India: Issues and Challenges 359
Sebati Malik

22. Environmental Legislations in India 380
R.K. Singh & K. Swarnim

23. Politicizing Climate Change 390
Sonali Singh

24. The Politics of Land, Labor, and Capital in Delhi: A Dynamics of Class Struggle and Dispossession since Independence 414
Sonu Pandey

25. India and South Asia: Conflict and Co-operation 445
Veena Singh Priyadarshi

26. China's New Silk Route Diplomacy: A Geo-Strategic Challenge to India 455
Parshuram Sial

China's New Silk Route Diplomacy: A Geo-Strategic Challenge to India

Parshuram Sial

Introduction

China's New Silk Route diplomacy mainly focuses to revive the 2000 years old Silk Route trade between Asia-Europe and the world. China's Silk Route starts from Xinjiang which was prominent meeting point along the Silk Route during Han period. It was an ancient trade route linking China and the western world. Xinjiang is known for "core" of the China's Silk Road Economic Belt. China wants to integrate the world economy through the BRI. China wants prosperity of people along the Silk Route with different ethnic groups especially Muslim majority countries and wants to connect people's heart. The most important security issue for India is $46 billion investment of China's CPEC in Pakistan.This huge investment project starts from Xinjiang, passing through the "Karakoram Highway" in Pakistan's Balochistan province to Gwadar port connecting to Arab countries. China's this ambitious Silk Route is strategic, continental and maritime project which have both peripheral and regional integration. This will increase China's political and economic and cultural influence. The Maritime Silk Road will bring "New opportunities and new future" to China and connect to world by trade and cultural exchanges. However, China wants to exploit the new Silk Route through politically, economically,

MARK BOOKS
(Publisher & Distributors)
New Delhi - 110059 (India)
Tel. : 011-25333264, 09911242336
E-mail # rkgpost@gmail.com
Web. : aegop.com

INR 1250/- US $ 68
ISBN : 978-93-83131-86-0
9789383131860

Prajñālok

Edited by
Dr. Shikhamoni Das
Pranjal Hazarika

© Editors

First Publication, 2019

ISBN : 978-93-85310-18-8

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior written permission from the editors.

[Views, comments and data expressed in the contents of the articles solely belong to the authors. The editors are not legally responsible for those opinions and its authenticity.]

Price : 550/-

Print : Brikshya Offset Press, Morigaon : Assam
Cover Page : Chinmoy Deka

© Editors

First Publication, 2019

ISBN : 978-93-85310-18-8

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior written permission from the editors.

[Views, comments and data expressed in the contents of the articles solely belong to the authors. The editors are not legally responsible for those opinions and its authenticity.]

Price : 550/-

Print : Brikshya Offset Press, Morigaon : Assam
Cover Page : Chinmoy Deka

Peer Reviewers :

Dr. Chandan Kr. Sharma, Professor, Dept. of Sociology, Tezpur University

Dr. Mantu Kr. Das, Principal, Habraghat College, Goalpara

Dr. Hiranya Saikia, Associate Professor and HOD, Dept. of Education, Diphu Govt. College

Dr. Subrata Barman, Associate Professor and HOD, Dept. of Economics, Nalbari College

Dr. Dipamani Baruah Das, Assistant Professor, Dept. of Assamese, Gauhati University

Dr. Ratan Deka, Assistant Professor, Dept. of English, Nalbari College

Contents

- Acknowledgement ix
- Introduction 1
  ✍ Dr. Shikhamoni Das & Pranjal Hazarika
- Women in the context of Naga Household and Society 11
  ✍ Eneingulo-u Lasuh & Dr. Yelhi Vero
- Universal Brotherhood: Meaning and Significance 21
  ✍ Nilamani Phukan
- Concept of Knowledge in Indian Philosophy 33
  ✍ Dr. Sanjay Kumar
- Ethics of Ecology in the *Sāṃkhya* - Yoga Philosophy 47
  ✍ Dr. Hemendra Kumar Bhagat
- The concept of 'outsider': A psychoanalytical approach to *The French Lieutenant's Woman* 55
  ✍ Dr. Baby Pushpa Sinha & Rimpi Sonowal
- Knowledge of Hinduism: It's Reflection in Indian Education System 62
  ✍ Dr. Sima Pal
- The Sense of Punctuality in Undergraduate Students: A Study 74
  ✍ Dr. Latika Hazarika
- Significance of *Yama* and *Niyama* in Yoga Philosophy 81
  ✍ Aditya Kumar
- GST and Small Businessmen of Assam: An Overview on Inconveniences 93
  ✍ Chandan Sharma

30

ISBN : 978-93-85310-18-8

Significance of *Yama* and *Niyama* in Yoga Philosophy

Aditya Kumar

Introduction

The Indian schools of philosophy are traditionally classified into orthodox or *āstika* and heterodox or *nāstika* schools. The six schools of philosophy-*Nyāya*, *Vaiṣeśika*, *Yoga*, *Sāṃkhya*, *Mīmāṃsā* and *Vedāntā* belong to the orthodox schools as they acknowledge the *Vedās* as the authentic and valid source of knowledge. The rest Indian schools of philosophy- *Jain*, *Buddhist* and *Cārvāka*, belong to heterodox systems of Indian philosophy as they do not recognize the *Vedās* as the authentic and valid source of knowledge. In the Indian philosophical domain, the terms orthodox or *āstika* and heterodox or *nāstika* are actually thought of in relation to the *Vedās*, not to the God, because there are orthodox schools like *Sāṃkhya* and *Pūrva-Mīmāṃsā* which refute the existence of God as such. Thus, an orthodox school that believes in the authority of *Vedās* may be atheistic in its outlook. The *Sāṃkhya* and the *Yoga* schools are very much interrelated or joined up in terms of their central themes. The *Sāṃkhya-Yoga* school is perchance the oldest one, because some *Upaniṣadas*, *Bhāgavadgītā* and *Vedāntā* have references about this school. The *Yoga* philosophy was promulgated by Patañjali in his magnum opus *Yogasūtra* in around 2nd century BC. *Yogasārasaṃgraha* by Vijñānavikṣu and *Yogasūtrabhāṣya* by Vyāsa or Veda Vyāsa are other

List of Contributors

- **Eneingulo-u Lasuh**, Vice Principal, Eastern Christian College. **Dr. Yelhi Vero**, Assistant Professor, Department of Economics, Dimapur Government College.
- **Nilamani Phukan**, Associate Professor, Department of Philosophy, Morigaon College.
- **Dr. Sanjay Kumar**, Assistant Professor & Head, Department of Philosophy, Singhbhum College.
- **Dr. Hemendra Kumar Bhagat**, Assistant Professor & Head, Department of Philosophy, Kartik Oraon College.
- **Baby Pushpa Sinha**, Professor of English, Assam University. **Rimpi Sonowal**, Research Scholar, Department of English, Assam University.
- **Dr. Sima Pal**, Associate Professor, Department of Education, Assam University.
- **Dr. Latika Hazarika**, Associate Professor, Department of Philosophy, Madhabdev University.
- **Aditya Kumar**, Assistant Professor & Head, Department of Philosophy, Jawaharlal Nehru College.
- **Chandan Sharma**, Assistant Professor, Department of Economics, Morigaon College.
- **Dr. Bijoy Sarmah,** Associate Professor, Department of History, JDSG College.
- **Parag Jyoti Mahanta**, Assistant Professor, Department of Economics, Morigaon College.

- **Madharam Kakati**, Vice Principal, Charaibahi College.
- **Biresh Kumar Deka**, Assistant Professor & Head, Department of Political Science, Charaibahi College.
- **Ajit Konwar**, Assistant Professor, Department of English, Morigaon College.
- **Dr. Shikhamoni Das**, Assistant Professor & Head, Department of Education, Charaibahi College.
- **Sharif Uddin**, Assistant Professor, Department of Economics, Charaibahi College.
- **Hari Narayan Deka**, Assistant Professor, Department of English, Charaibahi College.
- **Pragati Prasad Bora**, Assistant Professor & Head, Department of History, Charaibahi College.
- **Dr. Chakradhar Deka**, Assistant Professor & Head, Department of Geography, Charaibahi College.
- **Nazma Begum**, Assistant Professor, Department of Education, Charaibahi College.
- **Dr. Bijoy Kumar Nath**, Assistant Professor & Head, Department of Economics, Charaibahi College.
- **Krishna Kumari Deka**, Assistant Professor, Department of Economics, Charaibahi College.
- **Pranjal Hazarika**, Assistant Professor & Head, Department of English, Charaibahi College.
- **Dr. Hem Prasad Nath**, Student Activity & Sports Officer, National Institute of Technology, Karnataka.
- **Dr. Mithun Paul**, Ex Research Scholar, Assam University.
- **Sultana Sofia Jahan**, Assistant Professor, Department of Political Science, Nonoi College.
- **Bhanita Devi**, Assistant Professor, Department of Education, Charaibahi College.
- **Nayanmoni Devi**, Assistant Professor, Department of Geography, Charaibahi College.